ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

16 October 2024

राष्ट्रीय विद्युत योजना (ट्रांसमिशन) 2024

संदर्भ: हाल ही में विद्युत मंत्रालय ने राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी) 2024 लॉन्च की है, जोकि भारत के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य ट्रांसमिशन सिस्टम के विस्तार के लिए एक स्पष्ट दिशा प्रदान करना है, ताकि भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा किया जा सके।

राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी) 2024 की मुख्य विशेषताएं:

- **ट्रांसमिशन क्षमता विस्तार:** इस योजना का लक्ष्य 2032 तक 1,91,000 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) ट्रांसमिशन लाइनों और 1,270 जीवीए परिवर्तन क्षमता (ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी) को जोड़ना है। इससे उत्पादन केंद्रों से उपभोग केंद्रों तक अक्षय ऊर्जा का कुशल संचरण सुनिश्चित होगा।
- **नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:** एनईपी का मुख्य उद्देश्य 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को सुगम बनाना है, जिसे 2032 तक बढ़ाकर 600 गीगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है। यह भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- **ऊर्जा भंडारण प्रणालियाँ:** सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की अस्थायी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, इस योजना में 47 गीगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) और 31 गीगावाट पंप स्टोरेज प्लांट के प्रावधान शामिल हैं। ये प्रणालियाँ ग्रिड को स्थिर करने और एक सतत बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेंगी।
- **हरित हाइड्रोजन और अमोनिया हब:** एनईपी के अंतर्गत मुंद्रा, कांडला और विजाग जैसे तटीय स्थानों पर हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया विनिर्माण केंद्रों को स्थापित करने की योजना भी है, जोकि भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

योजना के आर्थिक प्रभाव और निवेश के अवसर:

- राष्ट्रीय ऊर्जा नीति (एनईपी) महत्वपूर्ण निवेश के अवसर प्रदान करती है, जिसके अंतर्गत 2032 तक ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे में 9,15,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की सम्भावना है।
- इससे न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि होगी, बल्कि रोजगार सृजन, आर्थिक विकास को गति देने और अंतर्राष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी।
- यह योजना मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप है, जोकि नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और संबंधित घटकों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करती है।

सीमा पार कनेक्टिविटी:

- राष्ट्रीय ऊर्जा नीति (एनईपी) अंतर-क्षेत्रीय और सीमा पार कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देती है। इसी संदर्भ में भारत की अंतर-क्षेत्रीय ट्रांसमिशन क्षमता 2032 तक 119 गीगावाट से बढ़कर 168 गीगावाट होने की संभावना है।
- इस योजना में नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार के साथ सीमा पार संपर्क को शामिल किया गया है, साथ ही सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ संपर्क की संभावनाएं भी शामिल हैं।

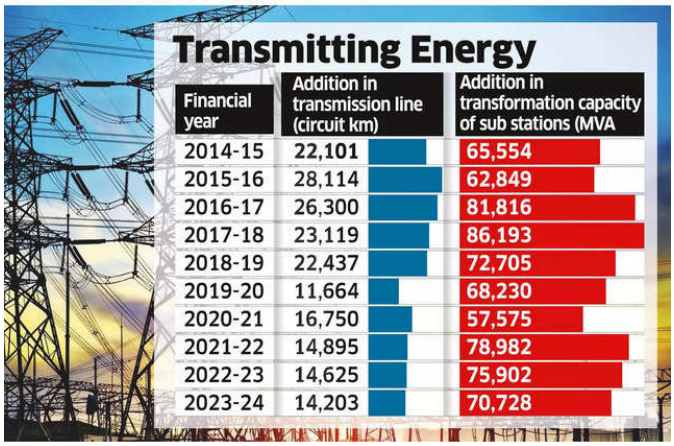

Financial year	Addition in transmission line (circuit km)	Addition in transformation capacity of sub stations (MVA
2014-15	22,101	65,554
2015-16	28,114	62,849
2016-17	26,300	81,816
2017-18	23,119	86,193
2018-19	22,437	72,705
2019-20	11,664	68,230
2020-21	16,750	57,575
2021-22	14,895	78,982
2022-23	14,625	75,902
2023-24	14,203	70,728

तकनीकी उन्नति:

- विशाल ट्रांसमिशन विस्तार का समर्थन करने के लिए, एनईपी हाइब्रिड सबस्टेशन, डायनेमिक लाइन रेटिंग, उच्च-प्रदर्शन कंडक्टर और मोनोपोल संरचनाओं (विद्युत ट्रांसमिशन संरचना) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का समर्थन करती है। ये प्रौद्योगिकियां दक्षता में सुधार करेंगी, ऊर्जा हानि को कम करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि नवीकरणीय ऊर्जा उपभोक्ताओं तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचे।
- इस उन्नत बुनियादी ढांचे के प्रबंधन के लिए ट्रांसमिशन क्षेत्र में कौशल विकास के प्रावधान भी शामिल हैं।

चुनौतियाँ और दृष्टिकोण:

यद्यपि एनईपी महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करती है, फिर भी इसके सामने कई चुनौतियाँ हैं:

- **ग्रिड एकीकरण:** ग्रिड एकीकरण नवीकरणीय ऊर्जा की बड़ी मात्रा का प्रबंधन के लिए मौजूदा ग्रिड (बिजली ट्रांसमिशन सिस्टम) में सुधार करना जरूरी है।
- **भूमि अधिग्रहण और वित्तपोषण:** नई ट्रांसमिशन लाइनों के लिए भूमि अधिग्रहण और दीर्घकालिक वित्तपोषण सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

16 October 2024

अर्थशास्त्र नोबेल पुरस्कार 2024

संदर्भ: हाल ही में अर्थशास्त्र में 2024 का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्री डारोन एसेमोग्लो, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को राष्ट्रों के बीच समृद्धि में असमानताओं पर उनके अभूतपूर्व शोध के लिए प्रदान किया गया है।

- रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज की नोबेल समिति ने यह स्पष्ट किया है कि इन विद्वानों ने देशों की आर्थिक सफलता में सामाजिक संस्थाओं के महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित कर देशों की सामाजिक और आर्थिक दशा को समझने में मदद की।
- यह शोध अर्थव्यवस्थाओं में नियमों के महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। यह समान विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक स्थिरता हासिल करने में देशों के सामने आने वाली समस्याओं को समझने में मदद करता है।
- 1968 में, स्वेरिग्स रिक्सबैंक (स्वीडन का केंद्रीय बैंक) ने 'अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार' की स्थापना की और तब से इसे रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा उन्हीं सिद्धांतों के अनुसार प्रदान किया जाता है, जिनके अनुसार 1901 से नोबेल पुरस्कार दिए जाते रहे हैं।

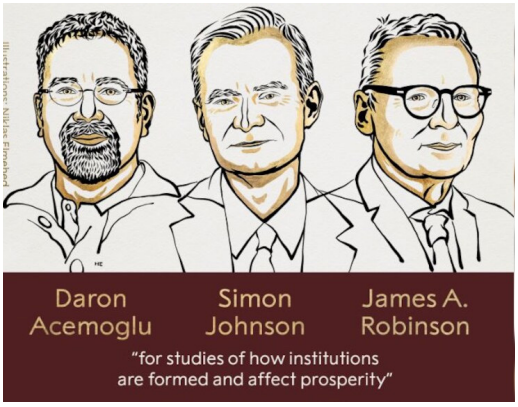

आर्थिक असमानताओं पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि:

- नोबेल समिति ने पुरस्कार विजेताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए बताया कि 'जिन समाजों में कानून का शासन खराब है और संस्थाएं आबादी का शोषण करती हैं, वे विकास या बेहतर बदलाव नहीं ला पाते।' यह अवलोकन अविकसित देशों की विफलताओं के पीछे के कारणों को समझने में पुरस्कार विजेताओं की भूमिका को उजागर करता है।
- विजेताओं के द्वारा राष्ट्रों के बीच धन के मामले में भारी अंतर को उजागर किया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आज सबसे अमीर 20% देशों की औसत आय, सबसे गरीब 20% देशों की औसत आय से 30 गुना अधिक है। यह असमानता अर्थशास्त्रियों के बीच इसके मूल कारणों पर लंबे समय से चल रहे वाद विवाद को नया आयाम प्रस्तुत करती है।
- ऐतिहासिक सिद्धांतों ने धन-संपत्ति के अंतर को विभिन्न कारकों के कारण माना है, जिनमें शामिल हैं:
  - » **औपनिवेशिक विरासत:** कुछ लोग तर्क करते हैं कि पश्चिमी उपनिवेशवाद ने समकालीन असमानताओं की नींव रखी।
  - » **प्राकृतिक संसाधन:** अन्य लोग सुझाव देते हैं कि संसाधनों की उपलब्धता आर्थिक सफलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है।
  - » **सांस्कृतिक कारक:** ऐतिहासिक दुर्घटनाओं और बुद्धिमत्ता के स्तर को भी असमानता का कारण माना गया हैं।

संस्थाओं की भूमिका:

ऐसमोग्लू, जॉनसन और रॉबिन्सन का मानना है कि आर्थिक और राजनीतिक संस्थाओं की गुणवत्ता राष्ट्रीय समृद्धि को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक है। उनकी थीसिस, जिसे पुस्तक व्हाई नेशंस फेल में विस्तार से प्रस्तुत किया गया है, यह सुझाव देती है कि संस्थाओं को समावेशी या शोषक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है:

- **समावेशी संस्थाएं:** इनका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित संपत्ति अधिकार और राजनीतिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास और उच्च जीवन स्तर को प्रोत्साहित करती हैं।
- **शोषक संस्थाएं:** असुरक्षित संपत्ति अधिकारों और राजनीतिक स्वतंत्रता की कमी वाली ये संस्थाएं आर्थिक अस्थिरता और गरीबी को बढ़ावा देती हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ और निहितार्थ:

- अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक व्यवस्था पर संस्थागत प्रभावों को समझने के लिए औपनिवेशिक प्रथाओं की जांच की। जिन क्षेत्रों में औपनिवेशिक शक्तियों ने दीर्घकालिक बसावट का उद्देश्य रखा, वहां समावेशी संस्थानों की स्थापना की गई, जो विकास को बढ़ावा देती थीं, जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका में।
- इसके विपरीत, जिन क्षेत्रों को बसावट के लिए अनुपयुक्त माना गया, वहां शोषक संस्थाओं को लागू किया गया। इन संस्थाओं में सतत विकास के स्थान पर अल्पकालिक संसाधन निष्कर्षण को प्राथमिकता दी गई। इसका एक प्रमुख उदाहरण औपनिवेशिक भारत है।
- पुरस्कार विजेताओं ने इस प्रश्न पर भी चर्चा की अधिकतर देश समावेशी संस्थाओं को क्यों नहीं अपनाते। उनका तर्क है कि शासक अक्सर शोषणकारी प्रणालियों से लाभ उठाते हैं और ऐसे सुधारों को लागू करने में अनिच्छुक होते हैं जो सत्ता का लोकतंत्रीकरण कर सकते हैं और व्यापक आबादी को लाभ पहुँचा सकते हैं।

एचएएल को महारत्न का दर्जा

संदर्भ: हाल ही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

16 October 2024

प्रतिष्ठित महारत्न का दर्जा दिया गया, जिससे यह महारत्न का मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का 14वां केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) बन गया।

- अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) और शीर्ष समिति की सिफारिशों के बाद वित्त मंत्री द्वारा अनुमोदित यह दर्जा, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में एचएएल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

महारत्न का दर्जा पाने हेतु मानदंड:

महारत्न का दर्जा उन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSE) को दिया जाता है जो असाधारण प्रदर्शन के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की क्षमता रखते हैं। इस उपलब्धि से इन्हें अधिक परिचालन और वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त होती है। महारत्न का दर्जा प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करना आवश्यक है:

- **नवरत्न दर्जा:** कंपनी के पास पहले से नवरत्न दर्जा होना चाहिए।
- **स्टॉक मार्केट लिस्टिंग:** कंपनी भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होनी चाहिए और कंपनी को सेबी के नियमों का पालन करना चाहिए।
- **वित्तीय प्रदर्शन:**
  - » पिछले तीन वर्षों में कंपनी का औसत वार्षिक कारोबार 25,000 करोड़ से अधिक होना चाहिए।
  - » औसत निवल संपत्ति 15,000 करोड़ से अधिक होनी चाहिए।
  - » कर के बाद औसत शुद्ध लाभ 5,000 करोड़ से अधिक होना चाहिए।
- **वैश्विक उपस्थिति:** कंपनी का अंतर्राष्ट्रीय परिचालन होना चाहिए।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का वित्तीय प्रदर्शन:

- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, एचएएल ने 28,162 करोड़ का कारोबार और 7,595 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जोकि भारत में एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है। यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन एयरोस्पेस उद्योग में एचएएल की रणनीतिक पहलों को दर्शाता है।

महारत्न दर्जे के निहितार्थ:

- महारत्न का दर्जा मिलने से एचएएल को वित्तीय स्वायत्तता मिलेगी, जिससे वह सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना निवेश संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय ले सकेगा। इस नई स्वायत्तता से परियोजना कार्यान्वयन में तेजी आने, नवाचार को बढ़ावा मिलने और परिचालन दक्षता में सुधार होने की उम्मीद है।
- इस प्रकार, एचएएल भारत में सबसे प्रभावशाली सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में से एक है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके रणनीतिक महत्व को प्रदर्शित करता है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

5 वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार

- हाल ही में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 5 वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार की घोषणा की गई। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार ओडिशा को दिया गया है, जबकि उत्तर प्रदेश को दूसरा तथा गुजरात और पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।
- 22 अक्टूबर को, 5 वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2023, नई दिल्ली में विज्ञान भवन में वितरित किया जायेगा। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दिया जायेगा। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र और एक ट्रॉफी के साथ-साथ कुछ श्रेणियों में नकद पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।
- जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) ने 5 वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2023 के लिए 9 श्रेणियों में संयुक्त विजेताओं सहित 38 विजेताओं की घोषणा की है।
- जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 2018 में पहला राष्ट्रीय जल पुरस्कार किया शुरू गया था।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

- राष्ट्रीय जल पुरस्कार (एनडब्ल्यूए) देश भर में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा सरकार के 'जल समृद्ध भारत' के सपने को साकार करने के लिए किए गए अच्छे काम और प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ये पुरस्कार लोगों में जल के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें पानी के सर्वोत्तम उपयोग के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए हैं।

डीजी परमेश शिवमणि भारतीय तटरक्षक बल के 26वें महानिदेशक

- 15 अक्टूबर, 2024 को डीजी परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के 26वें महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- परमेश शिवमणि ने तट पर और समुद्र में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिसमें उन्नत अपतटीय गश्ती पोत 'समर' जैसे प्रमुख जहाजों की कमान संभाली है। उन्हें 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है।
- राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय और रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र, उन्हें सितंबर 2022 में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया था।
- उनके कार्यकाल में अवैध शिकार विरोधी अभियान, विदेशी तटरक्षकों के साथ संयुक्त अभ्यास और महत्वपूर्ण मादक पदार्थों की जब्ती जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ शामिल हैं। अपनी सेवा के लिए, उन्हें तटरक्षक पदक और राष्ट्रपति तटरक्षक पदक सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं।

काजिंद-2024

- भारत-कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास का 8वां संस्करण, काजिंद-2024, 13 अक्टूबर, 2024 को संपन्न हुआ। 30 सितंबर से 13 अक्टूबर तक आयोजित इस वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत आतंकवाद विरोधी अभियानों में दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना था।
- कुमाऊं रेजिमेंट और अन्य सेवाओं के 120 कर्मियों वाली भारतीय टुकड़ी और सेना बल, वायु रक्षा बल और एयरबोर्न असॉल्ट इकाइयों के 60 कर्मियों वाली कजाकिस्तान की टुकड़ी ने अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में संचालन पर ध्यान केंद्रित करते हुए संयुक्त अभ्यास किया।
- प्रमुख सामरिक गतिविधियों में क्षेत्र पर कब्जा करने के ऑपरेशन, आतंकवादी कार्रवाइयों का जवाब, संयुक्त कमांड पोस्ट की स्थापना, और घेरा-और-खोज अभियान शामिल थे, जिसमें ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम का भी उपयोग किया गया था।
- काजिंद-2024 ने दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच अंतरसंचालनीयता, सौहार्द को बढ़ावा, रक्षा सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।
- यह अभ्यास क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए भारत और कजाकिस्तान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ को IAF वर्ल्ड स्पेस अवॉर्ड मिला

- हाल ही में 14 अक्टूबर को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) के चेयरमैन एस. सोमनाथ को इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉटिकल फेडरेशन (IAF) वर्ल्ड स्पेस अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड चंद्रयान-3 मिशन की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उन्हें दिया गया।
- IAF वर्ल्ड स्पेस अवार्ड स्पेस एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। यह अवॉर्ड स्पेस साइंस, टेक्नोलॉजी और एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाले व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है।
- इस अवॉर्ड के पूर्व विजेताओं में NASA जैसी बड़ी स्पेस एजेंसियां और एलन मस्क जैसे व्यक्ति शामिल हैं, जिन्होंने स्पेस के क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया है।
- 2019 में ISRO को मंगलयान मिशन के लिए प७ वर्ल्ड स्पेस अवार्ड से सम्मानित किया गया था। यह मिशन मंगल की ऑर्बिट में पहली कोशिश में ही सफलतापूर्वक पहुंचने वाला पहला एशियाई स्पेसक्राफ्ट बना था

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com